श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 100, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार, 15 नवम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

लोगों ने धूमधाम से मनाई दीवाली, जमकर फोड़े पटाखे

नई दिल्ली, एएनआइ। देश के अलग-अलग हिस्सों में शनिवार को दीवाली धूमधाम से मनाई गई। लोगों ने दीये और दीपक जलाए। इस मौके पर इंडिया गेट और राजपथ को रोशनी से जगमग किया गया। इस मौके पर रोशनी से सराबोर नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक और संसद भवन हुआ। देश के कई हिस्सों में प्रतिबंध के बाद भी लोग पटाखे छोड़ते नजर आए। एनजीटी द्वारा पटाखा बिक्री पर रोक लगाए जाने के बाद भी दिल्ली-एनसीआर में दीपावली की रात जमकर लोगों ने पटाखे चलाए। पटाखों की बिक्री से लेकर चलाने तक में प्रशासन के आदेशों की जमकर धज्जियां उड़ी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पटाखा बेचने और फोड़ने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया।

दीवाली के मौके पर रोशनी और दीयों से हजरत निजामुद्दीन औलिया दरगाह को सजाया गया। दरगाह कमेटी के पीरजादा अल्तमश निजामी ने कहा कि गैर-मुस्लिम भी हजरत महबूब-ए-इलाही के अनुयायी हैं और अपने त्योहारों पर यहां आते हैं। वे दीये भी जलाते हैं। दरगाहें सभी के लिए मंच हैं।

पश्चिम बंगाल में ममता से होगी भाजपा की कड़ी टक्कर जेएनयू से हुई लेफ्ट को किनारे करने की शुरूआत

नई दिल्ली (ऑनलाइन डेस्क)। बिहार में एनडीए को मिली सफलता से भारतीय जनता पार्टी को पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत की आस बढ़ गई है। पार्टी के लिए अब अगले निशाने पर यही राज्य है। यहां की चुनावी जंग जीतना पार्टी के कुछ मुश्किल जरूर लगता है। यहां पर 2011 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने राज्य से 34 वर्ष पुराने सीपीआई (एम) के शासन को उखाड़ फैंका था और पश्चिम बंगाल की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं थीं। 2016 के चुनाव उन्होंने यहां से दोबारा जीत दर्ज की। ममता ने राज्य से वामपंथी विचारधारा की जड़ों को उखाड़ने का काम बखूबी अंजाम दिया है। यही वजह है कि 2021 के चुनाव में भाजपा की सीधी टक्कर भी ममता बनर्जी के साथ ही होने वाली है।

भाजपा ने इसकी तैयारी काफी समय पहले से ही शुरू भी कर दी है। हालांकि जानकार मानते हैं कि इस राज्य में भाजपा की राह बिहार की तरह आसान नहीं है। राजनीतिक विश्लेषक शिवाजी सरकार का कहना है कि यहां की सत्ता तक पहुंचने के लिए भाजपा को कुछ ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि उनका ये भी मानना है कि राज्य स्तर पर पार्टी में जो मतभेद हैं उससे पार्टी की राह मुश्किल हो सकती है। उन्होंने इस बात की भी आशंका जताई है कि पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनाव बिहार की तुलना में अधिक हिंसा भरे होंगे। उनके मुताबिक पश्चिम बंगाल में यदि लेफ्ट, कांग्रेस और ममता मिलकर एक साथ चुनाव लड़ते हैं तो भाजपा की राह मुश्किल कर सकते हैं। हालांकि ये समीकरण कुछ मुश्किल जरूर है। वहीं भाजपा लेफ्ट के साथ मुश्किल ही जाएगी। उन्होंने बताया कि आने वाले चुनाव काफी खास होंगे। इस चुनाव में ममता की सीटें बढ़ने के आसार काफी कम हैं।

शिवाजी का मानना है कि पश्चिम बंगाल में लेफ्ट कमजोर जरूर हुआ है लेकिन खत्म नहीं हुआ है। यही वजह है कि इसको साधने के लिए भाजपा ने जेएनयू, जो कि लेफ्ट का गढ़ है, का सहारा लिया है। यहां पर दो वर्षों से पर्दे में ढकी स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का अनावरण करके भाजपा ने लेफ्ट को ही साधने की कोशिश की है। विवेकानंद की मूर्ति के जरिए भाजपा ने पश्चिम बंगाल के चुनाव को ही निशाना बनाया है। इस मूर्ति का लेफ्ट हमेशा से ही विरोध करता रहा है। पिछले वर्ष इस मूर्ति के साथ तोड़फोड़ तक की गई थी। 2016 में जब प्रोफेसर एम जगदीश कुमार जवाहरलाल नेहरू के वाइस चांसलर बने तब उन्होंने इस मूर्ति को यहां पर लगाने की राह आसान की थी।

सैनिकों के सम्मान में अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत काफी लोगों ने जलाए दीए

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी के आग्रह पर दीवाली को गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य लोगों ने सीमा पर तैनात जवानों के सम्मान में एक दीया जलाया। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि वे सैनिकों को सलामी के तौर पर भी एक दीया जलाएं क्योंकि सिर्फ शब्दों से उनके अदम्य साहस के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त नहीं किया जा सकता।

गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा कि दीपावली पर प्रधानमंत्री जी के आवाहन पर देश की सुरक्षा के लिए सरहदों पर तैनात हमारे वीर जवानों के सम्मान में दीया जला कर उनका आभार व्यक्त किया।

राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दीपावली के पर्व पर सभी देशवासियों से एक दिया देश के सैनिकों के सम्मान में जलाने का आग्रह किया है। मैंने भी आज दीपोत्सव पर एक दिया भारत के सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए जलाया है। एक दिया देश के सैनिकों के सम्मान में जला कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया है। जब हम दीपावली मना रहे हैं तो इस समय देश की सीमाओं की सुरक्षा में भारतीय सैनिक अपने राष्ट्रीय कर्तव्य का पालन कर रहे हैं। ऐसे बहादुर एवं कर्तव्यनिष्ठ सैनिकों को मैं नमन करता हूँ। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि दोस्तों, त्योहार के इस समय में भी हमें उन बहादुर सैनिकों को जरूर याद करना चाहिए, जो भारत माता की सेवा कर रहे हैं और सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्हें याद करने के बाद ही हमें दीवाली मनानी चाहिए। हमें भारत माता के इन बहादुर बेटों-बेटियों के लिए भी एक दीया जलाना चाहिए।उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों के परिवारों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। दीवाली की पूर्व संध्या पर पाकिस्तान की गोलीबारी में 5 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। हालांकि पाकिस्तान को भी भारी नुकसान झेलना पड़ा था। इसमें पाकिस्तान के आठ सैनिक शहीद हो गए थे और उनका तेल डिपो भी ध्वस्त हो गया था। उधर, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और उनके परिवार ने हैदराबाद स्थित अपने निवास पर दिवाली मनाई। धूमधाम से मनाई।

दीवाली पर सैनिकों के बीच लोंगेवाला पहुंचे पीएम मोदी

जैसलमेर के लोंगेवाला में पीएम मोदी ने जवानों के साथ दीवाली मनाई

नई दिल्ली, जेएनएन। दीवाली के मौके पर पीछले सात सालों से लगातार जवानों के बीच दीवली मना रहे पीएम मोदी इस बार भारत-पाक सीमा पर जैसलमेर के लोंगेवाला पहुंचे। पीएम ने जवानों को 130 करोड़ देशवासियों की तरफ से दीवाली की बधाई दी। इस दौरान लोंगेवाला में सैनिकों को संबोधित करते हुए पीएम ने चीन और पाकिस्तान दोनों को सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत हमारे वीर जवानों को देश की सीमा की सुरक्षा करने से रोक नहीं सकती है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर

विश्वास करता है, लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होगी तो, जवाब भी उतना ही प्रचंड मिलेगा।

आज पूरा विश्व विस्तारवादी ताकतों से परेशान हैं। विस्तारवाद, एक तरह से मानसिक विकृति है और अठ्ठारहवीं शताब्दी की सोच को दशार्ती है। इस सोच के खिलाफ भी भारत प्रखर आवाज बन रहा है।

आज दुनिया ये जान और समझ रही है कि भारत अपने हितों से किसी भी कीमत पर रत्ती भर भी समझौता करने वाला नहीं है। भारत का ये रुतबा, ये कद आपकी शक्ति और आपके पराक्रम के ही कारण है। आपने देश को सुरक्षित किया हुआ है इसीलिए आज भारत वैश्विक मंचों पर प्रखरता से अपनी बात रखता है।

पीएम ने कहा कि आप भले बर्फीली पहाड़ियों पर रहें या फिर रेगिस्तान में, मेरी दीवाली तो आपके बीच आकर ही पूरी होती है। आपके चेहरों की रौनक देखता हूं, आपके चेहरे की खुशिया देखता हूं, तो मुझे भी दोगुनी खुशी होती है।

उन्होंने कहा कि दुनिया का इतिहास हमें ये बताता है कि केवल वही राष्ट्र सुरक्षित रहे हैं, वही राष्ट्र आगे बढ़े हैं जिनके भीतर आक्रांताओं का मुकाबला करने की क्षमता थी।

भले ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग कितना ही आगे क्यों न आ गया हो, समीकरण कितने ही बदल क्यों न गए हों, लेकिन हम कभी नहीं भूल सकते कि सतर्कता ही सुरक्षा की राह है, सजगता ही सुख-चैन का संबल है। सामर्थ्य ही विजय का विश्वास है, सक्षमता से ही शांति का पुरस्कार है।

उन्होंने कहा कि हमारी सेनाओं ने निर्णय लिया है कि वो 100 से ज्यादा हथियारों और साजो-सामान को विदेश से नहीं मंगवाएगी। मैं सेनाओं को इस फैसले के लिए बधाई देता हूं। सेना के इस फैसले से देशवासियों को भी लोकल के लिए वोकल होने की प्रेरणा मिली है।

पीएम ने देश के नौजवानों से देश की सेनाओं के लिए निर्माण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में अनेक स्टार्ट्अप्स सेनाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए आगे आए हैं। डिफेंस सेक्टर में नौजवानों के नए स्टार्ट-अप्स देश को आत्मनिर्भरता के मामले में और तेजी से आगे ले जाएंगे। सीमा पर रहकर आप जो त्याग करते हैं, तपस्या करते हैं, वो देश में एक विश्वास पैदा करता है। ये विश्वास होता है कि मिलकर बड़ी से बड़ी चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है। जब तक आप हैं, आपका ये हौसला है, आपका ये त्याग और तपस्या है तब तक 130 करोड़ देशवासियों का आत्मविश्वास कोई नहीं डिगा पायेगा। जब तक आप है देश की दिवाली इसी तरह रौशन होती रहेगी।

आज के दिन मैं आपसे तीन आग्रह और करना चाहता हूं। पहला- कुछ न कुछ नया करने की आदत को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाइए। आजकल कई जगहों पर हमारे जवान महत्वपूर्ण इनोवेशंस कर रहे हैं। दूसरा- योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाए रखिए और तीसरा- अपनी मातृभाषा, हिंदी और अंग्रेजी के अलावा, कम से कम एक भाषा जरूर सीखिए।

भारत ने पाकिस्तान के 11 सैनिकों को किया ढेर, बौखलाए इमरान ने भारतीय राजनयिक को भेजा समन

श्रीनगर, जेएनएन। उत्तरी कश्मीर में शुक्रवार को पाकिस्तानी सेना (बार्डर एक्शन टीम) की इस नापाक हरकत का भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए उसके 11 सैनिक मार गिराए। सरहद पार आतंकियों के लांचिंग पैड, बंकर, आयुध और तेल डिपो को तबाह कर दिया। इस बीच उड़ी से गुरेज तक देश के दुश्मनों के नापाक मंसूबों को नाकाम करते हुए पांच जवान शहीद हो गए। भारत की तरफ से की गई कार्रवाई से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिक को समन भेजा है। न्यूज एजेंसी प्रेट्र के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने देर रात बयान जारी कर कुबूला कि भारतीय सेना की कार्रवाई में उसे काफी नुकसान हुआ है। उसने एक सैनिक के मारे जाने और पांच के घायल होने की पुष्टि की है। भारत के तीखे हमले से बौखलाए पाक ने तोप और मोर्टार से गोले दागे। इसमें सेना ही नहीं, आम लोगों को भी निशाना बनाया। इस दौरान चार आम नागरिकों की जान चली गई। सेना से कई जवानों सहित आम नागरिक भी घायल हुए हैं। नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। जानकारों का कहना है कि सरहद पर कई सालों बाद ऐसे हालत बने हैं। पड़ोसी देश की इस हरकत के बाद भारतीय जवानों ने दूसरी बार पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर भारी तबाही मचाई। नौगाम और गुरेज के सामने पाक सेना का आयुध डिपो, ईंधन डिपो, एक चौकी व एक बंकर के अलावा आतंकियों के दो लांचिंग पैड को तबाह कर दिया। हाजीपीर सेक्टर में एक पाक चौकी को ध्वस्त कर दिया। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है, मगर सूत्र बताते हैं कि जवाबी कार्रवाई में उसके आठ सैनिक भी मारे गए हैं। इस तरह भारतीय सेना ने पाक के कुल 11 सैनिक मार गिराए।

भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई के कई वीडियो जारी किए हैं। इसमें उसने पाकिस्तान में मचाई तबाही और देश की सेना की वीरता की तस्वीर सभी के सामने पेश की है। उधर, भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई के पाकिस्तान में बनाए गए वीडियो भी वायरल हुए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि एलओसी के पार कई पाकिस्तानी ठिकाने और बंकर नष्ट हो गए हैं।

गश्त पर निकले डीएसपी को भिखारी ने दी आवाज पास जाने पर निकला बैच का शार्पशूटर

ग्वालियर, जेएनएन। रास्ते में कचरा बीनता भिखारी एक समय का अचूक निशानेबाज और सब इंस्पेक्टर निकलेगा, यह अंदाजा भी नहीं था। 10 नवंबर की रात गश्त पर निकले डीएसपी रत्नेश तोमर और विजय भदौरिया कचरा बीनते भिखारी के पास रके तो दंग रह गए। वह भिखारी उनका ही बैचमेट एसआइ मनीष मिश्रा था, जो मानसिक संतुलन खोने के कारण इस हाल में पहुंच गया। भिखारी ने अचानक डीएसपी विजय भदौरिया को आवाज दी और नाम से पुकारा, तब जाकर यह मामला खुला। मनीष को सामाजिक संस्था के आश्रय स्थल स्वर्ग सदन भिजवाया गया है, जहां उसकी देखरेख की जा रही है। मनीष के भाई उमेश मिश्रा निरीक्षक हैं। पिता व चाचा एएसपी पद से रिटायर हुए हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी ऊंचे पदों पर हैं। पत्नी से तलाक हो चुका है। मनीष मिश्रा 1999 बैच के सब इंस्पेक्टर रहे हैं। 2005 तक मनीष नौकरी में रहे और आखिरी समय तक दतिया जिले में पदस्थ थे।

अवकाश सूचना

दीपावली के अवसर पर अखंड भारत संदेश कार्यालय में रविवार दिनांक 15.11.2020 को अवकाश रहेगा अतः अखबार का अगला अंक मंगलवार दिनांक 17.11.2020 को आएगा।

प्रबंधक/ संपादक

ओड़िशा में एयर मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण

बालासोर, एएनआइ। ओडिशा के बालासोर में जिले में शुक्रवार को भारत ने जमीन से हवा में मार करने वाली क्विक रिएक्शन मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। इस मिसाइल को DRDO ने विकसित किया है। टेस्ट फायर के दौरान अपने लक्ष्य पर निशाना बनाने में यह मिसाइल सफल रहा। इससे पहले भारत ने गत माह बालासोर जिले के चांदीपुर अंतरिम परीक्षण परिसर में पृथ्वी-2 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था।

मिसाइल पूरी तरह से स्वदेशी है और इसमें सक्रिय आरएफ सीकर, इलेक्ट्रो मैकेनिकल एक्टुएशन प्रणाली लगी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, डीडी आर एंड डी के सचिव और डीआरडीओ के प्रमुख जी सतीश रेड्डी ने इस उपलब्धि के लिए डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

मिली खबर के अनुसार, अत्याधुनिक मिसाइल को यहां पास में स्थित चांदीपुर एकीकृत परीक्षण रेंज से दोपहर तीन बजकर 50 मिनट के करीब प्रक्षेपित किया गया था। इसका पूरा सिस्टम अपने लक्ष्य का पता लगाने और उस पर नजर रख ध्वस्त करने में सक्षम है। इस प्रणाली को भारतीय सेना की

हमलावर टुकड़ी को हवाई रक्षा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसे एक स्तरीय ठोस प्रणोदक रॉकेट मोटर से दागा गया। उन्नत मिसाइल में सभी स्वदेशी उप प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया है।

बताया गया है कि रडार ने दूर से ही पायलट रहित विमान लक्ष्य का पता लगा लिया और लक्ष्य के मारक सीमा में आने पर मिसाइल को दागा गया और इसने सीधे लक्ष्य पर प्रहार किया और उसे ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 30 किलोमीटर की रेंज में प्रहार करने वाली मिसाइल प्रणाली के सफल परीक्षण के बाद अब उसके व्यावसायिक उत्पादन का रास्ता साफ हो गया है।

इस मिसाइल को मोबाइल प्रक्षेपण का इस्तेमाल करके भी दागा जा सकता है। बयान में कहा गया है कि परीक्षण के लिए क्यूआरएसएएम हथियार प्रणाली के सभी तत्वों जैसे बैटरी, बहुकार्य रडार, बैटरी निगरानी रडार, बैटरी कमान पोस्ट यान और मोबाइल प्रक्षेपक को तैनात किया गया था। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की अलग-अलग प्रयोगशालाओं जैसे डीआरडीएल, आरसीआई, एलआरडीई, आर एंड डी ई (ई), आईआरडीई और आईटीआर ने परीक्षण में भाग लिया।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

17-18 को हल्की वर्षा के आसार

नैनी, प्रयागराज। सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में चल रहे ग्रामीण कृषि मौसम सेवान्तर्गत भारत सरकार से शुक्रवार को प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार वैज्ञानिकों ने 17 व 18 नवंबर को हल्की बारिश के आसार बताये हैं। वैज्ञानिकों ने कृषकों को सलाह दी है कि लहसुन के लिए यमुना सफेद (जी-282) प्रजाति उपयुक्त है। जौ की बुवाई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किग्रा. नाइट्रोजन, 30 किग्रा. फाश्फेट तथा आवश्यकता होने पर 20 किग्रा. पोटाश प्रयोग करें। जई की बुवाई के लिए एक हेक्टेयर में 80-100 किग्रा. बीज की जरूरत होगी। गेंहूँ की बुवाई के लिए बीज को थीरम से शोधित करें प्रति किलोग्राम 25 ग्राम थीरम का प्रयोग करें। मसूर के लिए एक हेक्टेयर खेत में 40 किग्रा. बीज की आवश्यकता होगी। ध्यान रहे कि बीज प्रमाणित अथवा सत्य और शोधित हो।

दिवाली से प्रयागराज के बाजार में लौटी रौनक

प्रयागराज। महीनों से कोरोना की चपेट में आए प्रयागराज के कारोबार को दीप पर्व पर संजीवनी मिली है। दिवाली पर लोगों ने जमकर खरीदारी की। खास बात यह है कि लोगों ने गहने और सिक्कों पर जमकर पैसे खर्च किए। वाहनों के साथ कपड़े व अन्य सामानों की जबर्दस्त बिक्री हुई है। 11 से 14 नवंबर तक लगभग दो हजार करोड़ के कारोबार से शहर के कारोबारी गदगद हैं।

कारोबारियों का कहना है कि दिवाली पर बाजार में सुधार के संकेत मिले हैं। पर्व पर लोगों ने उत्साह दिखाया है। प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष विजय अरोरा ने बताया कि दिवाली पर लोगों का उत्साह देखकर लग रहा है कि आगे भी व्यापार अच्छा होगा। विजय के मुताबिक अब लगातार त्योहारों का मौसम है। ठंड बढ़ती है तो गर्म कपड़ों के कारोबार में भी सुधार की आस है। सहालग शुरू होने से शहर के होटलों में रौनक लौटेगी। सूने विवाह घरों में भी बहार लौटेगी।

खरीदारी को बाजारों मे उमड़ी लोगों की भीड़

व्यापारियों के संगठन कैट के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल ने कहा कि बाजार में नकदी संकट था। बाजार खुल गए लेकिन लोग खरीदारी नहीं कर रहे थे। जरूरी सामानों की ही बाजार में बिक्री थी। महेंद्र के मुताबिक सरकारी कर्मचारियों ने दिवाली पर बाजार में जान फूंक दी। दिवाली का बोनस कर्मचारियों ने खर्च किया। महंगे सामानों की खरीद के लिए बैंक और वित्तीय संस्थानों ने भी मदद की। सस्ते ब्याज पर लोगों को कर्ज देकर गाड़ियां और इलेक्ट्रिकल सामानों की बिक्री में अहम भूमिका निभाई। महेंद्र कहते हैं कि दिवाली का कारोबार बाजार के लिए शुभ संकेत है। दिवाली पर बाजार में रौनक लौटी है लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार में पहले जैसी रंगत नहीं है। इस बार दिवाली पर्व की बिक्री से इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबारी हताश हैं। शहर में लोगों ने इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीदे लेकिन 50 फीसदी तक खरीदारी ऑनलाइन कंपनियों से हुई।

खरीदारी करती महिलाएं

दीप पर्व पर मिठाई, पटाखों की दुकानों पर उमड़ी भीड़

प्रयागराज। दिवाली के दिन शहर के बाजार में रौनक बनी रही। शहर की मिठाई की दुकानों और पटाखा बाजार में शनिवार सुबह से शाम तक सबसे अधिक भीड़ दिखी। मॉल और शोरूमों में लोगों ने कपड़ों की खरीदारी की।

दीप पर्व के दिन शहर में 150 करोड़ से अधिक का कारोबार होने की चर्चा रही। बीते तीन दिन तक ड्राई फ्रूट्स की बिक्री हो रही थी। पर्व के दिन मिठाइयों की जबर्दस्त मांग रही। एक अनुमान के मुताबिक, सुबह से शाम तक लगभग पांच करोड़ की मिठाई बिकी। तकरीबन तीन करोड़ के पटाखे बिके। ज्वेलरी के शोरूमों में भी ग्राहक खरीदारी करते रहे।

मिठाई की दुकान पर उमड़ी लोगों की भीड़

इनके अलावा लाई लावा, दीया, मोमबत्ती, पूजा सामग्री. सजावटी सामानों की भी शाम तक बिक्री होती रही।

प्रयागराज की 15 सड़कों के बहुरेंगे दिन, सुंदरीकरण के काम में अब आएगी तेजी

प्रयागराज। स्मार्ट सिटी के तहत एरिया बेस्ड डेवलपमेंट यानी एबीडी क्षेत्र के तहत सड़कों का चयन किया गया है। इन सड़कों के चौड़ीकरण और सुंदरीकरण के काम में अगले सप्ताह से तेजी आने की उम्मीद है। दीपावली पर्व पर मजदूरों के छुट्टी पर चले जाने के कारण करीब सप्ताह भर से सड़कों का काम काफी मंद हो गया था।

स्मार्ट सिटी के तहत एबीडी क्षेत्र की 15 सड़कें चयनित हुई हैं। इन सड़कों की चौड़ीकरण और सुंदरीकरण के लिए एजेंसियां भी नामित की जा चुकी हैं। सिविल लाइन क्षेत्र में लोहिया रोड, कचहरी क्षेत्र में मिशन रोड और दरभंगा कॉलोनी इलाके में पन्ना लाल रोड की चौड़ीकरण और सुंदरीकरण का काम प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से करीब महीने भर पहले शुरू कराया जा चुका है। कुछ दिन काम में तेजी रही लेकिन, दीपावली के पहले मजदूरों की छुट्टी पर चले जाने से काम की रफ्तार कुंद पड़ गई थी। दीपावली का त्योहार अब खत्म हो गया है, इससे काम में तेजी आने की उम्मीद है।

सिविल लाइन क्षेत्र में स्ट्रैची रोड, क्लाइव रोड, कूपर रोड, ताशकंद मार्ग, तेज बहादुर सप्रू मार्ग, कटरा पार्ट 2, मंफोर्डगंज रोड, हाशिमपुर रोड, कमला नेहरू रोड पार्ट वन, बाबू बिंदेश्वरी रोड, सुभाष नगर रोड और सोभनाथ सिंह रोड का चौड़ीकरण और सुंदरीकरण भी होगा। इन सड़कों के मुख्य हिस्से के निर्माण के अलावा फुटपाथ, ड्रेनेज, बिजली के पोल, केबिल और मार्ग पर पड़ने वाले ट्रांसफार्मर भी व्यवस्थित किए जाएंगे। रोड के दोनों तरफ हरित पट्टिका भी विकास किया जाएगा। सड़कों की चौड़ाई के हिसाब से जहां जरूरत होगी, वहां पार्किंग की भी व्यवस्था होगी। इन सड़कों के सुंदरीकरण और चौड़ीकरण पर करीब 69 करोड़ रुपये खर्च होगा।

प्रयागराज में खास तरीके से मनाई गई दीपावली, इस बार पटाखों की नहीं, धार्मिक अनुष्ठानों की रही गूंज

धार्मिक गीत प्रस्तुत करते कलाकार

प्रयागराज, जेएनएन। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इस बार दीप पर्व कुछ खास रहा। विशेष बात यह रही कि इस दफा दीपोत्सव के मौके पर पटाखों की कानफोड़ू की आवाज कम सुनाई पड़ी बल्कि धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज ज्यादा रही। मठ-मंदिरों से लेकर आश्रमों तक में शंखनाद के साथ घंटा-घड़ियाल और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महालक्ष्मी व विघ्नविनाशक की पूजा-अर्चना की गई।

भगवान श्रीराम और केवट के मिलन स्थल श्रृंगवेरपुर में तो घाटों को दीपों से आकर्षक रूप से सजाया गया था। अरैल और झूंसी के आश्रमों, मंदिरों में भी दीप जलाए गए और पूजा-अर्चना की गई। शनिवार को दीपावली का त्योहार सोरांव, फूलपुर, हंडिया, करछना, बारा, मेजा और कोरांव समेत आस पास के इलाकों में उल्लासपूर्वक मनाया गया। इलाके में धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज ज्यादा और पटाखों की आवाज कम ही सुनाई दी। लोगों ने अपने बच्चों को गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति के सामने बैठाकर धर्म और उनके अनुसरण के बारे में बताया। घरों को झालरों और मिट्टी के दीपों से सजाया गया था।

सोरांव कस्बा स्थित शक्तिपीठ गोरैया मंदिर में दीपावली के अवसर पर लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने माता रानी के सामने सिर झुकाकर अपने परिवार की समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने मंदिर में दीप जलाकर त्योहार को चार चांद लगा दिया। मंदिर प्रबंधक रामजी गुप्ता ने बताया कि लोगों ने श्रद्धा के साथ मां गोरैया से मुरादों को पूरी करने का आग्रह किया। मंदिर को झालरों और दीपक से सजाया गया था। नवाबगंज क्षेत्र में शनिवार को दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। लोगों ने अपने अपने घरों पर दीपक जलाकर माता लक्ष्मी और विघ्न विनाशक भगवान गणेश की पूजा अर्चना की।

ग्रामीण क्षेत्र में बने प्राचीन और नवनिर्मित मंदिरों पर सुबह से ही कीर्तन भजन का आयोजन चलता रहा। देर शाम मंदिरों में पहुंचकर लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित किया। चारों तरफ मंदिरों में ट्यूब लाइट व झालरों की रोशनी की जगमगाहट देखते ही बन रही थी।

दो दिन नहीं लगेगी झाड़ू, बजबजाएगा शहर

प्रयागराज। दीपों के पर्व दीपावली के बाद दो दिन शहर में न कहीं झाड़ू लगेगी और न ही कूड़ा उठेगा। इससे सड़कें, गलियां और मोहल्ले गंदगी से बजबजाएंगे। कूड़े न उठने से जगह-जगह बदबू भी फैल सकती है, जिससे लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो जाएगा।

दीपावली के कारण नगर निगम के सभी कर्मचारियों की तीन दिन छुट्टी है। शनिवार को दीपावली, रविवार को सार्वजनिक अवकाश के साथ परीवा और सोमवार को भैयादूज का अवकाश है। हालांकि, दीपावली के कारण शनिवार को सफाईकर्मियों की छुट्टी स्थगित कर दी गई। लिहाजा, शहर में झाड़ू लगने के साथ कूड़ा भी उठा। लेकिन रविवार और सोमवार को सफाईकर्मियों के भी अवकाश पर रहने की वजह से शहर में कहीं झाड़ू नहीं लगेगी। चाहे वह सिविल लाइंस, अशोक नगर, जार्जटाउन, टैगोर टाउन, ममफोर्डगंज जैसा पॉश इलाका हो अथवा अटाला, अल्लापुर, दारागंज, दरियाबाद, सदियापुर, शाहगंज, नीमसराय जैसे सघन इलाके। कटरा, चौक, जानसेगंज, मुंडेरा, सुलेमसराय, मुट्ठीगंज, बहादुरगंज, शाहगंज, कोठा पारचा, बलुआघाट, खुल्दाबाद, रोशनबाग जैसे व्यावसायिक क्षेत्र में भी सफाई नहीं होगी।

शहर में प्रतिदिन करीब पांच सौ टन कूड़ा निकलता है। दो दिन झाड़ू न लगने और कूड़ा न उठने से लगभग एक हजार टन कूड़ा शहर की हर गली, सड़क और मोहल्लों में फैल जाएगा। गंदगी के कारण लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो जाएगा। सफाई व्यवस्था से जुड़े अफसरों का कहना है कि शनिवार को काम करने के एवज में स्थायी सफाईकर्मियों को बुधवार को छुट्टी दी जाएगी। हालांकि, करीब 400 सौ संविदा और 1800 आउटसोर्सिंग कर्मियों का अवकाश नहीं रहेगा।

जनपद के पांच लाख विद्यार्थियों को मिलेगा स्कूल बैग, दिशा-निर्देश जारी

प्रयागराज। जनपद में परिषदीय स्कूलों के विद्यार्थियों को शासन की तरफ से स्कूल बैग देने की तैयारी है। प्रयागराज में करीब पांच लाख विद्यार्थियों को यह बैग बांटे जाएंगे। इसके लिए शिक्षा निदेशक बेसिक की तरफ से दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अब प्रयागराज में इसकी तैयारी शिक्षा विभाग करने में जुट गया है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय कुशवाहा ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार कक्षा एक से आठ तक के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में पढने वाले बच्चों को बैग दिए जाएंगे। इसके अलावा सभी राजकीय विद्यालयों, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्कूलों, अशासकीय सहायता प्राप्त प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों को भी योजना का लाभ दिया जाएगा। प्रत्येक बैग के लिए 177.99 रुपये शासन से दिए जाएंगे।

बीएसए ने बताया कि शासन से प्राप्त निदेशों में कहा गया है कि सभी विकास खंड व नगर क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों में कक्षा एक से आठ तक के अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार बैग उपलब्ध कराया जाए। 13 नवंबर तक संबंधित फर्म को क्रय आदेश देने के लिए भी कहा गया है। निदेशों में उल्लेख है कि बड़ी साइज के कितने बैग होंगे और छोटी साइज के कितने बैग होंगे, इसका स्पष्ट उल्लेख हो। आपूर्तिकर्ताओं को दो फरवारी 2021 तक अनिवार्य रूप से बैग की सप्लाई कर देना होगा। फर्म के भुगतान के लिए नोडल बीएसए को ही बनाया गया है। सभी स्कूल बैग पर सर्व शिक्षा अभियान का लोगो भी लगाया जाएगा। शासन से जारी निर्देशों में कहा गया है कि स्कूल बैग की सप्लाई में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। इसके लिए जिलाधिकारी की तरफ से कमेटी भी बनाई जाएगी। यह कमेटी विकासखंड, नगर क्षेत्र में होने वाले बैग की सप्लाई पर नजर रखेगी और उसकी गुणवत्ता को भी परखेगी। रैडम जांच भी की जाएगी। नमूनों को लेकर उसे सील किया जाएगा। जिले स्तर पर उसे एक कोड भी दिया जाएगा। ऐसा इसलिए कि सैंपल संबंधी रिपोर्ट गुप्त रहे।

नेटवर्क की समस्या से परेशान रहे मोबाइल उपभोक्ता

प्रयागराज। दीपावली पर नेटवर्क की समस्या से मोबाइल उपभोक्ता परेशान रहे। नेटवर्क में खराबी होने से इंटरनेट पूरी तरह से प्रभावित रहा। कॉल ड्रॉप होने के कारण लोग दिन भर परेशान रहे।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

फाफामऊ में दीपावली की खरीदारी के लिए बाजार में उमड़ी भीड़

दीपों का महापर्व दीपावली उत्सव शनिवार को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

फाफामऊ। कार्त्तक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला प्रकाश पर्व दीपावली शनिवार को फाफामऊ में भी धूमधाम से मनाया जा रहा है। फाफामऊ सहित ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में मिट्टी के दीये, मोमबत्ती, लक्ष्मी-गणेश की मूर्त्ततयों व पटाखों की जमकर बिक्री हुई। इन जगहों पर सामान की खरीदारी के लिए सुबह से लेकर शाम तक लोगों की भीड़ लगी रही। धन व ऐश्वर्य की अधिष्ठात्री माता लक्ष्मी की पूजा को लेकर लोगों ने प्रतिमा की भी जमकर खरीदारी भी की। वहीं बाजारों में मिट्टी के बर्तन से बने रंग-बिरंगे घरौंदा की भी खरीदारी लोगों ने की। सड़क जाम से लोग परेशान

दीपावली पर्व पर खरीददारी को लेकर फाफामऊ बाजार में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी। इसके चलते जाम की स्थिति बनी रही। सड़क के किनारे लगाये गये स्थाई और अस्थाई रूप से सजावट सामाग्री खरीदने को लेकर दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। शनिवार की सुबह से घर सजाने के लिए लोग तरह-तरह के सजावट के सामान खरीद रहे थे। दीपावली पर्व पर लोगों ने बनाई रंगोली। दीपों का महापर्व दीपावली उत्सव शनिवार को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर फाफामऊ का हर घर दीपों की रोशनी से आलोकित हो रहा है, लेकिन दीपों की इस रोशनी में रंगों का बहुत बड़ा महत्व है। इसको लेकर घर की महिलाएं कलात्मक और सुंदर रंगोली बनाकर खुशहाली और समृद्धि के लिए पूजा करती हैं। रंगोली में विभिन्न देवी देवताओं की प्रतिमाओं के साथ मां लक्ष्मी के पग चिन्हों को रंगों से भरा गया।

दीवाली पर्व पर फाफामऊ बाजार में खरीददारी करने को उमड़ी भीड़

प्रयागराज रविवार, 15 नवम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

अंत:करण के ज्ञान दीपों को जागृत करने का पावन पर्व है दीपावली : स्वामी श्री योगी सत्यम्

झूंसी प्रयागराज। झूंसी स्थित क्रियायोग अनुसंधान संस्थान आश्रम में क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम ने दीपावली के अवसर पर श्री श्री महावतार बाबा वट वृक्ष के आध्यात्मिक परिसर में क्रियायोग ध्यान को दीपावली पर्व के रूप में मनाया, इस दौरान देश विदेश से आए हुए साधकों ने भाग लेकर शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किए। श्री श्री महावतार बाबा वटवृक्ष के आध्यात्मिक परिसर में क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम ने साधकों को यह भी बताया कि दीपावली पर्व भगवान श्री राम की रावण पर विजय के बाद अयोध्या आगमन पर मनाए जाने वाले उत्सव का प्रतीक है। क्रियायोग ध्यान के द्वारा अंतः करण में सुषुप्त ज्ञान दीपों के प्रज्वलित होने पर स्पष्ट हो जाता है कि दीपावली पर्व आत्मज्ञान की तरफ यात्रा करने पर प्रकट होने वाली विभिन्न अवस्थाओं के प्रतीक है। कली काल में मानव मस्तिष्क के ज्ञान का लोप होने पर लोग जप, तप, व्रत पूजा, साधना तथा समस्त त्योहारों को वास्तविक आध्यात्मिक स्वरूप को विस्मृत कर गए और केवल उनके प्रतीकात्मक स्वरूप जिसे कर्मकांड कहा गया है, का अभ्यास करने लगे । आदिशंकराचार्य ने स्पष्ट लिखा है कि कर्मकांडों से अज्ञान का विनाश नहीं होता है, क्योंकि कर्मकांड और ज्ञान दोनों समानार्थी है । ज्ञान प्राप्ति के लिए अनुभूतिजन्य ज्ञान की आवश्यकता है। क्रियायोग ध्यान के द्वारा अनुभवजन्य ज्ञान की प्राप्ति होती है जिससे समस्त त्योहारों के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान होता है ।

दीपावली पर्व पर झूंसी स्थित क्रियायोग अनुसंधान संस्थान आश्रम में दीप जलाते क्रियायोग गुरू स्वामी श्री योगी सत्यम व साधकों को क्रियायोग के बारे में बताते हुए

उपस्थित साधकगण

साधकों को क्रियायोग के माध्यम से धनतेरस की जानकारी देते स्वामी श्री योगी सत्यम

धनतेरस शक्ति तेरहवें भुवन की शक्ति : स्वामी श्री योगी सत्यम्

झूंसी प्रयागराज। झूंसी स्थित क्रियायोग अनुसंधान संस्थान में क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम ने साधकों को धनतेरस के अवसर पर बताया कि धनतेरस शब्द तेरहवें भुवन में व्याप्त असीम धैर्य को कहते हैं। तेरहवें भुवन को तपो लोक (असीम धैर्य लोक) कहते हैं। तथा यह भी बताया कि हम लोग निधन शब्द से परिचित हैं, निधन का अभिप्राय है अंदर का धन जिसे जीवन तत्व कहते हैं, प्राण कहते हैं, का अदृश्य हो जाना, इस अवस्था में शारीरिक क्रियाशीलता शून्य हो जाती है जिसे आम भाषा में कहते हैं कि निधन हो गया। अंतः करण का धन है वह 14 तरह से प्रकट होता है, एक- एक धन एक- एक लोक की शक्ति की अभिव्यक्ति है। एक भुवन को एक लोक कहते हैं। इसी प्रकार सात स्वर्ग सात पाताल का शास्त्रों में चर्चा है। जो अंतः करण का धन है, वह चैदह स्वरूपों में प्रकट होता है। एक- एक स्वरूप एक- एक लोक को प्रकट करता है, एक-एक भुवन को प्रकट करता है जिसे चैदह भुवन कहते हैं 13वें भुवन को अनंत धैर्य लोक कहते हैं। जब हम अनंत धैर्य लोक कि शक्ति को पा जाते हैं तो यह समझना चाहिए, हम धनतेरस अवस्था को प्राप्त हो गए। धनतेरस अवस्था के बाद एक अच्छी अवस्था आती है जिसमें हम अपने अन्तरूकरण को उस धन से मिल जाते हैं जिसे मिलने के बाद अनुभव होता है कि हमारे परमात्मा के बीच दूरी शून्य है। इस अनुभूति में जब हम आ जाते हैं तो पता चलता है कि हम चैदहवें भुवन में आ गये हैं जिसे सत्यलोक कहते हैं। धनतेरस को धैर्य लोक कहते हैं। भारतीय संस्कृति में अन्तरू धैर्य में प्रवेश कर इसी से आच्छादित हो करके समस्त कार्यों के संपादन के लिए प्रयत्न करना पड़ता है। जब स्पष्ट हो जाता है कि धनतेरस किसे कहते हैं। तो अपने अन्दर अनन्त धैर्य प्रकट हो जाता है तो हमें धन के तेरहवें विशाल रूप की अनुभूति होती है जिसे धैर्य लोक कहते हैं। इसी को धनतेरस भी कहते हैं।

TRUE AND PERFECT CELEBRATION OF DHANTERAS AND DIWALI : GURUJI SWAMI SHREE YOGI SATYAM

Guruji Swami Shree Yogi Satyam shared with Kriyayoga practitioners at Kriyayoga Ashram and Research Institute the true meaning of Dhanteras and Diwali.

Swamiji stated that the celebration of attainment of Tapoloka – The Sphere of Infinite Patience, is the celebration of Dhanteras. Elaborating on this point, Swamiji averred that there are 2 kinds of riches – internal and external. External riches are those which we attain outwardly. Internal riches refer to the life-force (praan) that flows into our existence through the medulla situated at the posterior surface of head. Therefore, in Indian tradition, as life-force departs from the body and no more internal activities are visible, one is said to be in a state of "ni-dhan" – which is the state devoid of riches (life-force).

Swamiji further explained that we have 14 Universes within us. Intuitively we want the 13th Universe, which is also the 6th Heaven (Tapoloka). The 13th Universe is the Sphere of Patience (Tapoloka) and Dhanteras is associated with the number 13. When we attain the state of Infinite patience, we feel that nothing is impossible. Then, we have no fear to do anything and we can take on any responsibility in our life. In the same way, we have seen the example as quoted by Sri Paramahansa Yogananda in the Autobiography of a Yogi, in which a golden palace was materialized in the Himalayas by Mahavatar Babaji for his disciple Lahiri Mahasaya.

Having attained the sphere of eternal and infinite patience, we realize lighting of the 7 lamps (knowledge centers) within. This is referred to as the awakening of the knowledge centers in which we experience oneness with Brahma-consciousness and realize ourselves one with the Creator (Dreamer) and, at the same time, with creation (dream). In this stage, we attain oneness with our family, friends, nation and all of creation. In this way, we unconditionally provide greatest service to all.

Swamiji concluded by describing the science of tuning within to the cosmic sound of the creative principle. With the practice of Kriyayoga, as we journey inwards more and more, we will experience that our existence and whole Cosmos is the condensed form of the Eternal Sound – AUM, which is also known as AMEN, AMIN, SHABDA... As we tune in with the internal sound of the creative principle (AUM), we become one with the whole Cosmos and experience whole Cosmos as one family (Aham Brahmaasmi). This is the Sphere of Satyaloka.

By the systematic Recharging steps of Kriyayoga, we awaken millions of little lights within, charging them with Cosmic life-force and Cosmic sound. Lights, here, refer to awakened knowledge which is Omniscient Consciousness.

The awakening of millions of little lights within is the true and perfect celebration of Diwali.

क्रियायोग आश्रम में दीपावली पर्व पर साधना करते साधकगण